सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY •YEAR-1 • 5 JUNE TO 11 JUNE 2020 • VOLUME-39 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD

No Filing Charges &
*Pay money after the visa

IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

*T&C apply

पंजाब हिम अखबार के संपादक ने अवैध निर्माणों के खिलाफ दी शिकायत

जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

नगर निगम जालंधर में पंजाब हिम के संपादक ने आज कमिश्नर नगर निगम के नाम म्युनिस्पिल टाउन प्लानर परमपाल सिंह को शिकायत सौंपी जिसमें उन्होंने मॉडल टाउन में चल रही अवैध इमारतों की शिकायत दी जिस पर जालंधर ब्रीज के संवाददाता नीरज को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए संपादक सूरज मनकोटिआ ने बताया की पिछले कई सालों से नगर निगम में भ्रष्ट अफसरों की बदौलत शहर की ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई है जिस पर कई सालों से वो अफसरों को जगाने का प्रयास करते रहे है और उन्होंने चेतावनी दी है की अगर जल्द ही मेरी शिकायतों के ऊपर कोई करवाई नहीं की गई तो वो बिल्डिंग विभाग के भ्रष्ट अफसरों की शिकायत विजिलेंस विभाग में करेंगे और इनकी बेनामी सम्पति की जांच के लिए भी विजिलेंस विभाग को शिकायत करेंगे और भ्रष्ट अफसरों को सलाखों के पीछे पहुँचाएँगे ।

रख-रखाव के नाम पर करोड़ो रूपये ठग रही है टोल कंपनियां

जालंधर/नीरज

रोज़ाना करोड़ों रूपये रख रखाव के रूप में प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग पर लोगों से जजिआ टैक्स की वसूली रोड मैंटेनेंस के रूप में वसूले जा रहे है परन्तु रख रखाव ग्राउंड लेवल पर शून्य है। जिसके कई उदाहरण आपको अमृतसर-दिल्ली राजमार्ग पर अनेको जगह खड़ा बरसाती पानी देखकर पता लग जाएगा की कैसे हाईवे पर वाटर लॉगिंग की समस्या लोगों के लिए काल बनकर उनकी जान ले रही है जिसमें उधारण स्वरूप पिछले दिनों चौगिट्टी के पास लोकडाउन के वक्त ड्यूटी कर रहे कोरोना वारियर पुलिस वाले की जान रोड पर बरसाती पानी खड़े होने से उसकी गाडी स्लिप हो गई और उसकी जान चले गई और दो दिन पहले ही हुई बरसात ने ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर फिर से वो ही हालात देखने को मिले जिसमे मुख्यते से कालिया कॉलोनी के बाहर, ट्रांसपोर्ट नगर के बहार ,बाथ कैसल के बाहर ,हवेली के बाहर बरसाती पानी खड़े जैसे बने हालातों के लिए जिम्मेवार अफसरों के ऊपर पिछले दिनों हुई मौतें और जो दुर्घटनाएं हुई है उसके लिए सख्त से सख्त करवाई की जाए और पानी की निकासी के लिए नालियों की सफाई करवाई जाए ।

छाया : रवि

नगर-निगम जालंधर में प्रवेश द्वार पर लगी आटोमेटिक मशीन

जालंधर/नीरज

नगर निगम जालंधर के मेयर जगदीश राजा द्वारा लोगों और मुलाजिमों की सुरक्षा के मद्देनज़र नगर निगम के दोनों प्रवेश द्वारों में आटोमेटिक सेंसर मशीन लगवाई गयी जिसमे आपको अपने हाथ सनिटिज़ेर करने के लिए अब सिर्फ हाथ सेंसर के आगे रखना होगा जिसके उद्धघाटन के अफसर पर उनके साथ नगर निगम के साथी पार्षद बलराज ठाकुर जगदीश समराये, अवतार सिंह और सुपरिटेंडेंट स्टोर मौजूद थे ।

छाया : रवि

केंद्र ने माना- बढ़ रहा है कोरोना संक्रमण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर एफिडेविट दायर किया है। केंद्र सरकार ने एफिडेटविट में यह माना है कि देश में कोरोना के मामले सतत बढ़ रहे हैं, ऐसी स्थिति में देश में बड़ी संख्या में मेकशिफ्ट हॉस्पिटल बनाने होंगे। केंद्र द्वारा दाखिल हलफनामे में कहा गया है कि देश में संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है ऐसे में भविष्य के लिए फिलहाल मौजूद अस्पताल के अलावा कोरोना मरीजों के लिए अस्थायी मेक शिफ्ट अस्पतालों का निर्माण करना होगा, ताकि उनकी देखभाल हो सके। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा है कि फिलहाल फ्रंटलाइन सर्विस दे रहे स्वास्थ्यकर्मियों की देखभाल की जरूरत है।

राजनीतिक शरण लेना चाहता है माल्या

लंदन, (एजेंसी)। बैंकों के समूह से नौ हजार करोड़ रुपए से अधिक का लोन धोखाधड़ी करके विदेश भागे शराब कारोबारी विजय माल्या के प्रत्यर्पण को लेकर चल रही अटकलों के बीच ब्रिटेन ने कहा है कि अभी उन्हें भारत के हवाले नहीं किया जा रहा है। प्रत्यर्पण से पहले एक और कानूनी मुद्दा सुलझना बाकी है। ब्रिटेन के उच्चायोग के प्रवक्ता ने कहा, कि माल्या के भारत प्रत्यर्पण से पहले एक और कानूनी मुद्दा सुलझना बाकी है। हालांकि, उन्होंने इसे गोपनीय बताया। जब ऐसा माना जा रहा था कि विजय माल्या को कभी भी भारत लाया जा सकता है तब ब्रिटिश अफसरों ने जो कहा है उससे एक बार फिर पेंच फंसता दिख रहा है। ब्रिटिश अथॉरिटीज ने यह नहीं बताया है कि माल्या के प्रत्यर्पण को रोक रहे कानूनी मुद्दा क्या है। अभी कार्रवाई जारी है, जिससे लाने में विलंब होगा।

कोरोना अभी खत्म नहीं, पूरी सावधानी बरतें

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने की प्रदेशवासियों से अपील

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के नागरिकों से 'अनलॉक वन' में दी छूट के प्रति सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है, इसलिए हम सभी को अभी वायरस के प्रति विशेष रूप से सजग रहने की आश्यकता है।

श्री चौहान ने गुरुवार को प्रदेश की जनता को दिए संदेश में कहा कि जरूरत के लिए बाजार और अन्य गतिविधियां शुरू कर दी गई है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन यापन की दृष्टि से अनलॉक वन में कई तरह की छूट दी गई है, लेकिन छूट के बाद कहीं-कहीं ऐसे मामले भी सामने आ रहे हैं, जहां गाइडलाइन का पालन नहीं किया जा रहा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि पर्याप्त सावधानियां जैसे दो गज की दूरी, फेस मास्क का उपयोग, बार-बार हाथ धोने, सार्वजनिक जगहों पर न थूकने और लोगों से हाथ मिलाने की बजाए नमस्ते करने जैसे उपायों पर अमल किया जाए।

प्रतिदिन छह हजार टेस्ट की क्षमता

आज प्रदेश में 21 टेस्टिंग लैब और प्रतिदिन छह हजार टेस्ट की क्षमता विकसित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आईसीयू और बेड व्यवस्था का एक तिहाई ही उपयोग हो पा रहा है। प्रदेश का कोरोना से रिकवरी रेट देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है और देश के औसत रिकवरी रेट से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि आमजन को कोई दिक्कत न हो इसलिए सभी जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

कोरोना मुक्त बनाने में सहयोग करें

श्री चौहान ने कहा कि प्रवासी मजदूर भाइयों की वापसी के सभी इंतजाम किए गए। गरीबों मजदूरों और जरूरतमंदों के लिए राशन, भोजन और रहने आदि की व्यवस्था की गई। उन्होंने आमजन से अपील की है कि कोराना से बचाव पर ध्यान दें, लापरवाही न करें। सभी सावधानियों का पालन करें।

शराब ठेकेदारों को मिले दो विकल्प

- सरेंडर की गई दुकानों का नए सिरे से टेंडर कराने का आदेश
- ठेकेदारों को तीन दिन में तय करना है सरकार का फैसला मंजूर है या नहीं।

जबलपुर, (आरएनएन)। शराब ठेकेदारों के मामले में तीन दिनों से चल रहीं सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को अपना अंतरिम आदेश पारित कर दिया है।

चीफ जस्टिस एके मित्तल व जस्टिस व्हीके शुक्ला की युगलपीठ ने मामले में उभयपक्षों के तर्क सुनने के बाद अपने अंतरिम आदेश में कहा है कि जो शराब ठेकेदार सरकार के नए नियमानुसार ठेका संचालित करना चाहते हैं, वह तीन कार्य दिवस में अपना हलफनामा पेश करें और जो ठेकेदार नए नियम के अनुसार ठेका संचालित नहीं कर सकते, उन दुकानों का सरकार पुनः टेंडर कर सकती है। इसके साथ ही युगलपीठ ने ठेका नहीं लेने वाले ठेकेदारों के खिलाफ किसी प्रकार की कार्यवाही न किये जाने के निर्देश देते हुए सरकार को होने वाली राजस्व हानि पर अगली सुनवाई में विचार किये जाने के निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 17 जून को निर्धारित की है।

ये है मसला

शराब ठेकेदारों ने लॉकडाउन में हुए घाटे का हवाला देकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। ठेके के वक्त जमा बिड राशि घटाने या पूरे ठेके नए सिरे से जारी करने की मांग की व सरकार की आबकारी नीति में किए संशोधन को भी चुनौती दी जिसमें सरकार ने किसी शराब ठेकेदार का लायरेंस रद्द होने पर उसे ब्लैकलिस्ट करने और उसे किसी दूसरे जिले के टेंडर में हिस्सा शामिल न करने प्रावधान किया है। हाईकोर्ट ने ठेकेदारों को विकल्प चुनने की आजादी देते हुए सरेंडर करने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई न करने का आदेश दिया है। इन दुकानों के नये टेंडर जारी होगे ।

देश में 24 घंटे में कोरोना के सबसे ज्यादा 9304 केस

स्वस्थ होने वालों का प्रतिशत 47.99 फीसदी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश में 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के अब तक के सबसे ज्यादा नए 9,304 मामले सामने आए हैं जबकि 260 लागों की मौत हो गई है। इसके साथ ही बृहस्पतिवार तक देश में संक्रमितों एवं इस घातक वायरस से मृतक संख्या बढ़कर क्रमशः 2,26,634 और 6,363 हो गई है। अमेरिका, ब्राजील, रूस, ब्रिटेन, स्पेन और इटली के बाद भारत अब कोरोना वायरस से सर्वाधिक प्रभावित देशों की सूची में सातवें स्थान पर है। देश में कोविड-19 के बढ़ते मामले और कम जांच ने बढ़ाई स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन की चिंता बढ़ाई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में 1,06,737 संक्रमित मरीजों का उपचार चल रहा है और 1,04,106 लोग स्वस्थ हो चुके हैं और एक मरीज देश से बाहर जा चुका है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसलिए अब तक करीब 47.99 फीसदी मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। बुधवार सुबह से इस घातक वायरस से अब तक 260 लोगों की मौत हुई। यूपी में 24 घंटों में 371 नये मामले,15 मौतें दर्ज की गई। राज्य में प्रवासी श्रमिकों के आवागमन के बाद संक्रमण की रफ्तार तेज हुई है। सूबे में अब तक 9237 संक्रमित है।

	कुल मामले	स्वस्थ हुए	संक्रमित	कुल मौत
भारत	2,26,634	1,08,450	1,11,809	6,363
मध्यप्रदेश	8,762	5,637	2,748	377

राजधानी में कोरोना के 52 नए केस मिले

भोपाल (आरएनएन)। भोपाल में कोरोना के 52 नए केस पाए गए। कोटरा सुल्तानाबाद और ऐशबाग क्षेत्र के सुदामा नगर में संक्रमण ने तेजी से पैर पसारना शुरू किया है। गुरूवार को एक ही दिन में कोटरा सुल्तानाबाद क्षेत्र में 16 संक्रमित मिले हैं। इसी तरह ऐशबाग के सुदामा नगर में भी 12 पॉजिटिव निकले हैं, यहां एक ही परिवार के सात सदस्यों में 15 वर्ष का बच्चा सहित 64 साल की बुजुर्ग महिला भी शामिल है। इन दोनों क्षेत्रों में अचानक संक्रमितों की संख्या बढने से प्रशासन हरकत में आ गया है। यह दोनों क्षेत्र घनी आबादी वाले हैं, इसको देखते हुए ही सघन सर्वे कराया जा रहा है।

इंदौर में 54 नए केस, चार मौतें भी

इंदौर, (आरएनएन)। हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक 1,988 टेस्ट में से 54 की रिपोर्ट पॉजिटिव रही। कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,687 हो गई। चार मरीजों की मौत हो गई। कुल मृतक संख्या 149 हो गई है। गुरुवार को 59 मरीज डिस्चार्ज हुए। अब तक 2,243 लोग डिस्चार्ज हो चुके हैं। 1304 मरीज उपचाररत हैं। स्वस्थ मरीजों ने जिला प्रशासन व डॉक्टरों का आभार जताया है।

महाराष्ट्र में 123 मरे, टूटा मौत का रिकॉर्ड

कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य महाराष्ट्र में एक दिन में मरने वाले का रिकॉर्ड टूट गया है. राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार महाराष्ट्र में गुरुवार को कोरोनावायरस से 123 लोगों की मौत हुई, जो एक दिन में अभी तक सर्वाधिक है. इसके साथ ही इस महामारी से राज्य में मृतक संख्या 2710 हो गई है. वहीं राज्य में गुरुवारको कोरोना के 2933 नए मामले सामने आए और संक्रमितों की संख्या 77,793 हो गई है. इससे पहले सर्वाधिक मौक का आंकड़ा 122 था। वहीं, मुंबई में आज 1442 नए मामले सामने आए और इस दौरान 48 लोगों की जान चली गई। इसके साथ ही मुंबई में कुल संक्रमितों को आंकड़ा 44,704 हो गई है।

दखल

खेतों को बचाने की चुनौती

टिड्डियों के दल उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब सहित कुल दस राज्यों में अपनी संहारक दस्तक दे चुके हैं। फौरी हिदायत के तौर पर सरकारी प्रशासन किसानों से अपील कर रहा है कि वे फिलहाल ढोल-नगाड़े, बर्तन आदि बजा कर खेतों को टिड्डियों के हमले से बचाएं। कीटनाशकों के छिड़काव की सलाह भी दी जा रही है, लेकिन यह तभी मुमकिन है जब उनके हमले का पहले से कोई अंदेशा हो।

प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के पक्षधरों का हमेशा मत रहा है कि दुनिया के छोटे से छोटे जीव और कीट-पतंगों तक का अपना महत्व है। प्रकृति में इनका होना इसका बात का संकेत है कि यह दुनिया रहने लायक बनी रहेगी। लेकिन जब इन्हीं में से कुछ कीट हमारी सभ्यता के दुश्मन बन जाएं और खेती से लेकर हमारी जिंदगी तक इनकी मार से भयाक्रांत हो उठे, तब क्या हो। इन दिनों उत्तर भारत के करीब दस राज्यों के किसान टिड्डी दल के अचानक हमले के आगे निहत्थे साबित हो रहे हैं और उन्हें कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है कि धरती की हरियाली पर आई इस आपदा से आखिर किस प्रभावी तरीके से निपटा जाए। कैसी विडंबना है कि एक तरफ जब पूरी दुनिया आंख से नहीं दिखने वाले कोरोना विषाणु के संक्रमण से जूझ रही है, तो महज दो ग्राम वजनी टिड्डी के विशालकाय दलों ने देश के सामने एक नई चुनौती पैदा कर दी है। खेती-किसानी की मुश्किलें वैसे ही कम नहीं हैं। इस पर चंद मिनटों के हमले में पूरे के पूरे खेत सफाचट कर डालने वाले टिड्डी दलों के हमले ने किसानों की कमर तोड़ कर रख दी।

महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान से शुरू होकर टिड्डियों के दल उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब सहित कुल दस राज्यों में अपनी संहारक दस्तक दे चुके हैं। फौरी हिदायत के तौर पर सरकारी प्रशासन किसानों से अपील कर रहा है कि वे फिलहाल ढोल-नगाड़े, बर्तन आदि बजा कर खेतों को टिड्डियों के हमले से बचाएं। कीटनाशकों के छिड़काव की सलाह भी दी जा रही है, लेकिन यह तभी मुमकिन है जब उनके हमले का पहले से कोई अंदेशा हो। छिटपुट तौर पर टिड्डियां हर साल ही फसलों को भारी नुकसान पहुंचाती रही हैं। अमूमन मानसूनी बारिश के बाद खाली पड़ी राजस्थान-गुजरात की रेगिस्तानी जमीन में पैदा होने वाली टिड्डियों का हमला सर्दी आते-आते मंद पड़ जाता है। ऐसे हालात कम ही बनते हैं कि वे दो-तीन राज्यों की सरहद पार कर दस राज्यों के नीले आकाश पर खौफ बन कर छा जाएं। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण हालात बदल गए हैं। जो समस्या पहले अमूमन जुलाई-अगस्त में पैदा होती थी, इस बार अनुकूल मौसम मिलने पर टिड्डियों की भारी-भरकम फौज मई-जून में ही पैदा हो गई।

ईरान के रास्ते पाकिस्तान और फिर वहां से भारत में दाखिल होने से पहले टिड्डियों के दल ने करीब दो साल से उत्तरी अफ्रीका के इथियोपिया, केन्या और सोमालिया आदि देशों में आतंक मचा रखा था। वहां टिड्डी दल लाखों हेक्टेयर फसल चौपट करने के जिम्मेदार माने गए और इन हमलों को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र की ओर से यह चेतावनी जारी की गई थी कि अगर जल्द ही इन पर काबू नहीं पाया गया तो दुनिया के बड़े इलाकों में लोग दाने-दाने को मोहताज हो सकते हैं। खासतौर से ईरान और पाकिस्तान में इनके हमलों की ज्यादा आशंका थी। असल में मई, 2018 के मेकुनू चक्रवाती तूफान से यमन, संयुक्त अरब अमीरात, अरब और यमन तक फैले रब-अल-खली मरुस्थल में काफी बारिश हुई। फिर उसी साल अक्तूबर में लुबान तूफान ने अरब प्रायद्वीप में टिड्डियों के माफिक स्थितियां बना दीं। इसके बाद 2019 के जनवरी-फरवरी में अफ्रीका और एशिया से लगे लाल सागर के तटीय इलाकों में अच्छी बारिश ने फिर टिड्डियों को पनपने का मौका दिया। खाने की तलाश में टिड्डी दल अरब की हवाओं के साथ ईरान पहुंचे, जहां पहले से हो चुकी बारिश ने टिड्डियों की पैदावार में भरपूर मदद दी। अप्रैल से जून, 2019 में ये दक्षिण एशिया में पाक और सरहद से लगे भारत के थार रेगिस्तान आ गईं।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने बीते कुछ महीनों के दौरान दक्षिण एशिया में बारिशों के कई दौर और सर्दियों में उनके प्रजनन को देख कर भी कहा था कि पाकिस्तान और इससे सटे सीमावर्ती भारतीय राज्यों में गर्मियों के मौसम में इनका नए सिरे से प्रजनन होगा और तब टिड्डी दल बड़े पैमाने पर हमला कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि ये टिड्डियां पाकिस्तान की तरफ से भी आई हैं। सामान्य स्थितियों पाकिस्तान में भावी फसलों को बचाने के लिए खेतों की गहरी खुदाई व रसायनों के छिड़काव से टिड्डियों की पैदावार पर अंकुश लगाया जाता है, लेकिन इस बार वहां यह काम नहीं हुआ। कहने को तो पाकिस्तान ने टिड्डियों की समस्या को आपात स्थिति घोषित कर दिया था, लेकिन उनकी असरदार रोकथाम नहीं होने से उनका प्रजनन बड़े पैमाने पर हुआ। इसके बाद पाकिस्तान में पैदा हुई टिड्डियां अनुकूल हवा और मनमाफिक दिशा मिलने से सरहद पार कर भारतीय क्षेत्रों में घुस आईं और भारी तबाही का सबब बन गईं।

टिड्डियां खेती ही नहीं, हर किस्म की हरियाली के लिए कितना बड़ा खतरा हैं। हरे पत्ते, अनाज की बालियां, बीज, झाड़ियां और सड़क किनारे लगाए गए हरे पौधे आदि सभी कुछ इनका भोजन होता है। एक टिड्डी दल जो तीन से पांच वर्ग किलोमीटर लंबा-चौड़ा होता है, कुछ ही मिनटों में पूरा खेत साफ कर देता है। एक वर्ग किलोमीटर में करीब 40 लाख टिड्डियां होती हैं। यह झुंड एक बार में खेतों इतना भारी नुकसान पहुंचा देता है, जिसमें एक दिन में पैंतीस हजार लोगों का पेट भरने लायक अन्न साफ हो जाता है। ऐसा नहीं है कि इस आसमानी आफत की कोई सूचना पहले से हमारे सरकारी तंत्र को नहीं थी। पिछले साल मई में और फिर इस साल के आरंभ में जनवरी-फरवरी के दौरान राजस्थान और गुजरात में टिड्डियों ने हमला किया था। इस नुकसान की सूचना देते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री ने सात फरवरी को राज्यसभा में बताया था कि राजस्थान के बारह जिलों में टिड्डियों ने डेढ़ लाख हेक्टेयर फसलों को नुकसान पहुंचाया है और गुजरात में बीस हजार हेक्टेयर खेती चौपट हो गई थी।

उनके आकलन के मुताबिक राजस्थान और गुजरात में सरसों, अरंडी और गेहूं की 33 फीसदी फसल नष्ट हुई, जिससे डेढ़ लाख किसानों को डेढ़ सौ करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। उसी दौरान राजस्थान के कृषि मंत्री ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिख कर टिड्डियों को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की थी। हालांकि उस वक्त दावा किया गया कि सरकार-प्रशासन की सतर्कता के चलते टिड्डियों को लगभग खत्म कर दिया गया, लेकिन मई में कई गुना ताकत से टिड्डियों के हमले से साबित हुआ कि उनके खात्मे का अंदाजा बिल्कुल गलत था। यहां अहम सवाल है कि इस आपदा से आखिर कैसे निपटा जाए। इस बारे में पहली जरूरत तो यह है कि किसानों को टिड्डियों से हुए नुकसान की फौरन भरपाई की जाए। सरकार को इस नुकसान के आंकड़े जुटाने में मुश्किल नहीं होगी, क्योंकि इसका हिसाब-किताब उन्हें ग्रामीण पंचायतों से हाथों-हाथ मिल सकता है। कीटनाशकों के छिड़काव और बर्तन, ढोल बजा कर टिड्डियों को भगाने के तरीकों के बारे में किसानों को जागरूक किया जाए।

खेती के विशेषज्ञ इसका एक प्रभावी उपाय यह सुझाते हैं कि जिन इलाकों में टिड्डियां अंडे देती हैं, वहां खेतों की गहरी खुदाई की जाए। इससे टिड्डियों के अंडे नष्ट हो जाते हैं और उनकी क्रमिक पैदावार की संभावनाएं बहुत क्षीण रह जाती है। ज्यादा बेहतर यह होगा कि मौसमी बदलावों के बारे में सचेत करने वाला हमारी प्रणाली ज्यादा प्रभावी ढंग से काम करे और व्यापक फलक पर कहें तो जलवायु परिवर्तन के कारकों को थामने के उपाय आजमाएं।

विचार

पूरी तैयारी से आया है चीन

अब पता चला है कि चीन रात के अंधेरे में भी भारत से लड़ने की तैयारी में लगा है। वह साफ कह रहा है कि लद्दाख कोई डोकलाम नहीं है। इस बयान का आशय यह है कि इस बार वह पूरी तैयारी से आया है। भारत के सामने चीन फिलहाल तो कोई चुनौती नहीं है।

एक बार फिर लद्दाख और सिक्किम क्षेत्र में भारत और चीन के बीच गैर-चिह्नित सीमा पर तनाव बढ़ गया है। दोनों देशों ने सेनाओं की अतिरिक्त टुकड़ियां भेज दी हैं। इस बार इस तनाव को गंभीर माना जा रहा है। अब तो पता चला है कि चीन रात के अंधेरे में भी भारत से लड़ने की तैयारी में लगा है। वह साफ कह रहा है कि लद्दाख कोई डोकलाम नहीं है। इस बयान का आशय यह है कि इस बार वह पूरी तैयारी से आया है। भारत के सामने चीन कोई चुनौती नहीं है। समस्या सिर्फ यह है कि चीन की देन कोरोना से निपटने की रणनीति भारत बनाए या चीन से लड़ने की। क्योंकि चीन को परवाह हो न हो, भारत को अपने नागरिकों की चिंता है। कोरोना के संकट के बीच चीन ने जो हरकत करने का मंसूबा पाला है, उसका जवाब तो उसे मिलेगा। अभी या बाद में। लेकिन लद्दाख में विस्तारवादी नीति का मुलम्मा चढ़ाने का ख्वाहिशमंद चीन पीछे हट जाए तो सही है। वरना इस बार न तो 1962 का साल है और न ही सेना कम।

हालांकि इस क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सीमा विवाद नया नहीं है। चीन की साम्राज्यवादी नीतियां भी किसी से छिपी नहीं हैं। वह भारत पर अपना दबदबा बनाने की मंशा से जब-तब इससे सटे देशों को उकसाने का प्रयास करता रहा है। इस बार उसने नेपाल को अपने पक्ष में खड़ा कर लिया है। नेपाल, सिक्किम और भूटान के भारत से सटे हिस्से चीन के लिए सामरिक दृष्टि से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। इसीलिए उसने डोकलाम में सड़क निर्माण शुरू किया था, ताकि उसकी भारत के पूर्वोत्तर हिस्सों तक पहुंच आसान हो और भारतीय सैनिकों की निगरानी को कमजोर किया जा सके। पर जब भूटान ने इसका विरोध किया तो भारत ने भी चीन को सख्त चेतावनी दी। तब भी तनातनी बढ़ी थी और आखिरकार चीन को अपने कदम वापस खींचने पड़े थे। मगर जब भारत ने जम्मू-कश्मीर को तीन हिस्सों में बांट कर नया नक्शा पेश किया तो उसमें कालापानी क्षेत्र को भी भारत का हिस्सा दिखाया। इस पर नेपाल ने अपना हिस्सा बताते हुए एतराज जताया और लिपुलेख दर्रे में बन रही भारतीय सड़क का भी विरोध किया।

गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने उस सड़क का उद्घाटन करने के बाद उस पर वाहनों का पहला जत्था भी रवाना कर दिया। उसके बाद नेपाल की तल्खी और बढ़ गई। उसने चीन से गुहार लगाई कि वह लिपुलेख क्षेत्र में भारत की गतिविधियों को रोकने में मदद करे। हालांकि चीन ने ऊपरी तौर पर बयान दिया कि यह भारत और नेपाल के बीच का आपसी मामला है और उन्हें आपस में बातचीत के जरिए इसका हल निकालना चाहिए। मगर लद्दाख और सिक्किम क्षेत्र में उसने जिस तरह अपनी सैन्य टुकड़ियां भेजी हैं और उन्हें भारतीय सैनिकों के साथ संघर्ष भी किया है, उससे चीन की नीयत समझी जा सकती है। दरअसल, नेपाल के लिपुलेख और सिक्किम में भारत की सड़कें बन जाने से भारतीय सेना की चीन सीमा तक आवाजाही सुगम होगी, इसलिए उसने नेपाल को उकसाया और अब धौंस दिखा रहा है।

आखिर समुद्र कब होगा स्वच्छ

आज पर्यावरण दिवस है। इस दिन की महत्ता हमारे समाज और देश को पर्यावरण के अनुकूल रखने के प्रति सजगता की लौ जलाने की है। आज लॉकडाउन में भले ही देश की नदियों-शहरों के प्रदूषण मुक्त होने का दावा किया जा रहा हो, मगर समुद्र का प्रदूषण कभी हमारी चिंता में शामिल नहीं रहा। इस बात की पड़ताल करनी होगी कि आखिर वह कौन सी वजह है जिससे हम समुद्र को स्वच्छ नहीं बना पाए और आज भी ऐसी किसी नीति पर विचार नहीं कर रहे।

वैज्ञानिकों की मानें तो जीवाश्म ईंधन का उपयोग, औद्योगिक कार्बन उत्सर्जन और जंगल की आग से समुद्री जीवन जहरीला बन रहा है। इन वैज्ञानिकों का कहना है कि इनसे उत्सर्जित पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन्स यानी पीएएचएस नामक घातक रसायन की मात्रा समुद्र में लगातार बढ़ रही है और समुद्री जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसके पीछे 90 हजार टन पीएएचएस का उत्सर्जित होना प्रमुख है। उल्लेखनीय है कि पीएएचएस सौ से अधिक घातक रसायनों का समूह होता है, जो कि जीवाश्म ईंधन और लकड़ी के जलने से वातावरण में उत्सर्जित होता है और इन्हें जानलेवा प्रदूषक तत्वों की श्रेणी में रखा गया है। वैज्ञानिकों ने बायो हेस्पिराइट्स नाम समुद्री शोध जहाज से ब्राजील, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया व हवाई द्वीप समेत कई देशों की समुद्री यात्रा कर आंकड़ों में सहेजा है। जांच में 64 पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन्स मिले हैं जो अटलांटिक, प्रशांत और हिंद महासागर में पाए गए। इनमें से कुछ अत्यंत विषैले हैं जो समुद्र को जहरीला बनाने का काम कर रहे हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि पीएएचएस की प्रति महीने उत्सर्जन की मात्रा इतिहास के सबसे बड़े तेल रिसाव की घटना से चार गुना अधिक खतरनाक है। गौरतलब है कि 2010 में मैक्सिको की खाड़ी में एक लाख वर्ग किलोमीटर से भी बड़े समुद्री क्षेत्र में तेल के कुएं से रिसाव हुआ। उसमें करीब 50 लाख बैरल तेल समुद्र में बह गया। 1967 में टॉरी कैन्यन नाम के ऑयल टैंकर के दुर्घनागस्त हो जाने और 1967 में ही कैलिफोर्निया के तटीय इलाके में सैंटा बारबरा के तेल रिसाव की घटना भी दुनिया का ध्यान आकर्षित कर चुकी है। तेल रिसाव के घातक परिणाम समुद्री जीवों के लिए खतरनाक है। कच्चे तेल में मौजूद पॉलीसाइक्लिक एरौमैटिक हाइड्रोकार्बन्स को साफकरना कठिन कार्य होता है। अगर यह साफ नहीं हुआ तो कई वर्षों तक तलछट और समुद्री वातावरण को जहरीला बनाए रखता है। अब यह तथ्य भी सामने आ रहा है कि मालवाहक जहाजों द्वारा जानबूझकर अवैध कचरे यानी कूड़ा-कबार समुद्र में छोड़ा जा रहा है जबकि विदेशी और घरेलू नियमों के तहत ऐसे कार्य प्रतिबंधित हैं।

अनुमान के मुताबिक कंटेनर ढोने वाल मालवाहक जहाज तूफानों के दौरान हर वर्ष समुद्र में दस हजार ज्यादा कंटेनर खो देते हैं और उनमें लदा तेल समुद्री जीवों के जीवन पर भारी पड़ता है। तेल रिसाव के अलावा जहाज ध्वनि प्रदूषण भी फैलाते हैं जिससे जीव-जंतु परेशान होते हैं। इसके अलावा स्थिरक टैंकों से निकलने वाला पानी भी हानिकारण शैवाल एवं अन्य तेजी से पनपने वाली कई आक्रामक प्रजातियों को फैलाने में मददगार साबित होता है। वैज्ञानिकों ने माना है कि समुद्र में लिया गया और बंदरगाहों पर छोड़ा गया स्थिरक पानी अवांछित असाधारण समुद्री जीवन का मुख्य स्रोत है। मीठे पानी में पाए जाने वाले आक्रामक जेबरा शंबुक जो मूल रूप से ब्लैक, कैस्पियन और एजोव सागरों में पाए जाते हैं, अमेरिका और कनाडा के बीच पायी जाने वाली पांच बड़ी झीलों तक पहुंच चुके हैं। प्रमुख समुद्री वैज्ञानिक मीनिस्ज की मानें तो समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को हानि पहुंचाने वाली अकेली आक्रामक प्रजाति की ही बात करें तो सबसे बुरे उदाहरणों में से खतरनाक नीमियोप्सिस लीडयी कॉम्ब जैलीफिश की प्रजाति है जो इस कदर फैली है कि कई खाड़ियों तक पहुंच चुकी है।

1982 में पहली बार इसका पता चला और माना जाता है कि यह कालासागर में किसी जहाज के स्थिरक पानी के जरिए पहुंची। मौजूदा समय में यह प्रजाति स्थानीय मत्स्य उद्योग के लिए सिरदर्द बन गयी है। उदाहरण के लिए वर्ष 1984 में एंकवी मछली की पकड़ 204,000 टन थी जबकि वर्ष 1993 में घटकर 200 टन रह गई। इसी तरह स्प्रैट 1984 में 24 हजार 600 टन पकड़ी गई, जो घटकर 1993 में 12 हजार टन रह गई। हॉर्स मैकेरल जो 1984 में 4000 टन पकड़ी गई थी वह 1993 में एक भी नहीं मिली। अब जब जैलीफिश ने मछलियों के डिब्बों सहित प्राणीमन्दप्लवकों को लगभग खत्म कर दिया है तो इनकी संख्या नाटकीय ढंग से गायब हो गयी है, लेकिन वैज्ञानिकों की मानें तो यह अब भी पारिस्थितिक तंत्र के विकास को बढ़ने से रोके हुए है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आक्रामक प्रजातियां पहले से ज्यादा क्षेत्रों में अपना विस्तार व नई बीमारियां फैलाने के साथ-साथ नए आनुवंषिक पदार्थों की शुरुआत कर सकती है। एक शोध में यह भी दावा किया गया है कि प्रशांत महासागर के एक बड़े क्षेत्र के समुद्री जल में ऑक्सीजन की मात्रा घट रही है। यह शोध जार्जिया इंस्टीट्यूट ऑफटेक्नोलॉजी में किया गया है। इसके पीछे भी एशियाई क्षेत्र से उत्पन वायु प्रदूषण को ही जिम्मेदार ठहराया गया है। गहरे समुद्र में यह संकट अधिक तेजी से बढ़ रहा है जिससे समुद्री जीवन के लिए खतरा उत्पन हो गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्री प्रदूषण तब होता है जब रसायन, कण, औद्योगिक, कृषि रिहायशी कचरा या आक्रामक जीव समुद्र में प्रवेश करते हैं और हानिकारक प्रभाव उत्पन करते हैं। समुद्री पदूषण के अधिकांश स्रोत थल आधारित होते हैं। समुद्री प्रदूषण अकसर कृषि अपवाह या वायु प्रवाह से पैदा हुए कचरे जैसे अस्पष्ट से होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जहरीले रसायन सूक्ष्मकणों से चिपक जाते हैं जिनका सेवन प्लवक और नितल जीव समूह करते हैं, जिनमें से ज्यादतर तलछट या फिल्टर फीडर होते हैं। इस तरह जहरीले तत्व समुद्री पदार्थ क्रम में अधिक गाढ़े हो जाते हैं। कई कण भारी ऑक्सीजन का इस्तेमाल करते हुए रासायनिक क्रिया के जरिए मिश्रित होते हैं और इससे खाड़ियां ऑक्सीजन रहित हो जाती हैं।

आमतौर पर समुद्र में प्रदूषण के तीन रास्ते हैं। एक, महासागरों में कचरे का सीधा छोड़ा जाना, दूसरा वर्षा के कारण नदी-नालों में अपवाह से और तीसरा वातावरण में छोड़े गए प्रदूषकों से। समुद्र में प्रदूषण के लिए सबसे आम रास्ता नदियां हैं। समुद्र में पानी का वाष्पीकरण सबसे ज्यादा होता है। संतुलन की बहाली महाद्वीपों पर बारिश के नदियों में प्रवेश और फिर समुद्र में वापस मिलने से होती है। उदाहरण के लिए न्यूयॉर्क में हडसन और न्यूजर्सी में रैरीटेन जो स्टेटन द्वीप के उत्तरी और दक्षिणी सिरों में समुद्र में मिलती है जिससे समुद्र में प्राणी मंदप्लवक यानी कोपपॉड के पारा प्रदूषण का स्रोत है। तय प्वाइंट प्रदूषण तब होता है जब प्रदूषण का इकलौता, स्पष्ट व स्थानीय स्रोत मौजूद हो। इसका उदाहरण समुद्रो में औद्योगिक कचरे और गंदगी का सीधे तौर पर छोड़ा जाना है। इस तरह का प्रदूषण विकासशील देशों में ज्यादा देखने को मिलता है।

अतः उचित होगा कि समुद्री प्रदूषण से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर कानून बने और उस पर ईमानदारी से अमल हो। 1950 के दशक की शुरुआत में समुद्र के कानून को लेकर हुए संयुक्त राष्ट्र के कई सम्मेलनों में समुद्री प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की गई। 1972 के स्टॉकहोम में मानव पर्यावरण पर हुए संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में भी समुद्री प्रदूषण पर चर्चा हुई। पिछले वर्ष समुद्री प्रदूषण रोकने के लिए कचरे एवं अन्य पदार्थों के समुद्र में फेंके जाने को लेकर एक संधि पत्र पर हस्ताक्षर हुए जिसे लंदन समझौता भी कहा जाता है, लेकिन समुद्री प्रदूषण रोकने के सभी कानून नाकाफी साबित हो रहे हैं।

ट्विटर

चीन की मंशा से भारत अनजान नहीं है और उसी के हिसाब से तैयारी भी की जा रही है। चीन अगर किसी भ्रम में है तो इस बार उसका यह भ्रम टूट जाएगा।

मुकुंद नरवणे, सेना प्रमुख

चीन के साथ परोक्ष रूप से जंग लड़ने से बेहतर है कि उससे इस मसले पर कूटनीतिक वार्ता की जाए और विवाद दूर किया जाए। सही मायने में चीन खुद नहीं लड़ेगा।

कमर आगा, रक्षा विशेषज्ञ

सत्यार्थ

किसान का सपना

किसी गांव में एक किसान रहता था। खेती से वह इतना नहीं कमा पाता था कि महंगी वस्तुएं खरीद सके। वह सोचने लगा कि अगर वह धनवान हो जाए तो हो सकता है कि वह ज्यादा खुश रहने लगे। एक रात उसने स्वप्न में देखा कि उसे शहर में एक बड़ा खजाना मिलेगा। उसने स्वप्न को सच मान लिया। वह शहर की ओर चल दिया। वह पहले कभी शहर नहीं गया था और वहां के नियमों से अनजान था। एक पुलिस इंस्पेक्टर ने उसे इधर-उधर घूमते हुए पकड़ लिया और पूछा- तुम यहां क्या कर रहे हो? किसान बोला- मैं एक खजाने की खोज में हूं। मुझे एक सपना आया था। इस पर इंस्पेक्टर बोला- तुम पागल हो। मुझे खजाना मिलने के कई सपने आए हैं। वह सिर्फ स्वप्न ही हैं। मैं किसी पर भी ध्यान नहीं देता हूं। एक बार मुझे सपना आया कि मुझे एक गांव की एक झोपड़ी के सामने बड़ा खजाना मिलेगा। उस झोपड़ी के पास से एक नहर गुजरती है। पास में ही एक छोटा खेत भी है, लेकिन मैं वहां कभी नहीं गया। इंस्पेक्टर की इस बात पर किसान को झटका-सा लगा। जिस घर के बारे में वह बता रहा था, वह बिलकुल उसके अपने घर जैसा ही लग रहा था। इंस्पेक्टर ने उसे वापस गांव भेज दिया। जब घर आकर उसने खेत खोदा तो उसे एक बड़ा संदूक मिला। उसमें भरे खजाने से वह धनी बन गया। वह हैरान था कि इतने समय से उसके घर के ही पास खजाना छिपा था, पर उसे पता ही न था। यह कहानी हमारी अपनी अवस्था को बताती है। हम बाहर प्रेम और खुशी ढूंढ़ते रहते हैं, मगर यह नहीं जानते कि सच्ची खुशी, सच्ची दौलत व सच्चा प्रेम हमारे अंतर में हमारा इंतजार कर रहा है। अतः हम खुशी को बाहर नहीं, अपने अंदर ही खोजें।

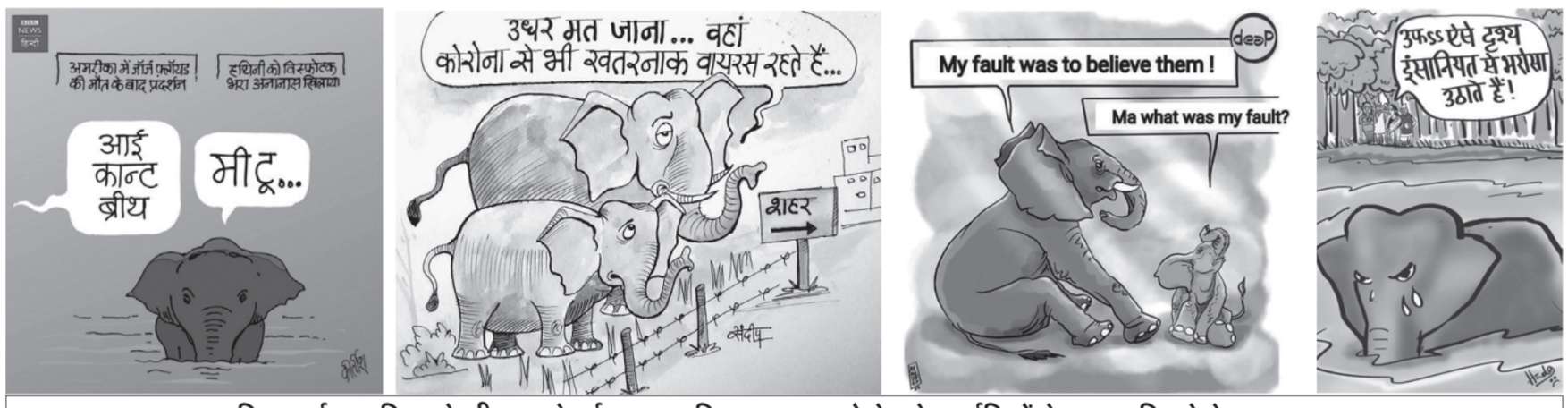

विश्व पर्यावरण दिवस के ठीक पहले हुई एक ह्रदयविदारक घटना को देश के कार्टूनिष्टों ने इस नजरिए से देखा। (साभार)

अच्छा नहीं इंसान और जानवर के बीच टकराव

समय रहते नहीं खोजा विकल्प तो विनाश की ओर ले जाएगा यह कदम

अच्छा नहीं इंसान और वन्य प्राणियों के गांवों एवं शहरों में प्रवेश, खेती-पालतू पशुओं को नुकसान पहुंचाने और मनुष्यों पर घातक हमला करने की घटनाएं देश भर में भी बढ़ रही हैं। वन क्षेत्रों के निकट के गांवों एवं कस्बों में ऐसी घटनाएं आए दिन हो रही हैं। वनों में रहने वाले बंदर जब-तब गांव और शहर में झुंड बनाकर हमले करने लगे हैं। वहीं बाघ, रीछ, नीलगाय, सियार, लकड़बग्गे और हिरण आदि पशु भी गांव पर धावा बोलने लगे हैं। मांसाहारी पशु तो बहुत बुरी हालत में हैं। वनों में वन्य प्राणियों की कमी से मांसाहारी पशु अब गांव में लोगों के पालतू पशुओं को खाने लगे हैं। इसके लिए वे रात में धावा बोलते हैं। अगर पिछले एक दशक में जंगली जानवरों के हमलों में घायल और मृत लोगों और मवेषियों का आंकड़ा हजारों में होगा, वहीं इंसान और जानवर के टकराव से फसल, प्राकृतिक संसाधनों और दूसरे नुकसान का हिसाब-किताब करोड़ों में होगा।

उत्तर प्रदेश के पूरे तराई क्षेत्र का जंगल हो अथवा उत्तरांचल का वनक्षेत्र हो, उसमें से बाहर निकले बाघ चारों तरफ अपना आतंक फैलाए हैं और बेकसूर ग्रामीण उनका निवाला बन रहे हैं। जंगली जानवरों और मानव के बीच संघर्ष क्यों बढ़ रहा है और जंगली जानवर जंगल के बाहर निकलने के लिए क्यों विवश हैं? इस विकट समस्या का समय रहते समाधान किया जाना आवश्यक है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड की भांति छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, राजस्थान और देश के दूसरे राज्यों में वनक्षेत्र के समीप बसे क्षेत्रों से जंगली जानवरों की घुसपैठ और हमले की खबरें आती रहती हैं। उत्तर प्रदेश के पूरे तराई क्षेत्र का जंगल हो अथवा उत्तरांचल का वनक्षेत्र हो, उसमें से बाहर निकले बाघ चारों तरफ अपना आतंक फैलाए हैं और बेकसूर ग्रामीण उनका निवाला बन रहे हैं। इन दिनों सूबे की राजधानी लखनऊ की शहरी सीमा में एक बाघ के आमद ने वन विभाग और राजधानीवासियों की नींद हराम कर रखी है।

केरल की घटना से लेना होगा सबक

वन विशेषज्ञों के अनुसार जब कभी बाहुल्य क्षेत्रफल में जंगल थे, तब मानव और वन्यजीव दोनों अपनी-अपनी सीमाओं में सुरक्षित रहे, समय बदला और आबादी बढ़ी फिर किया जाने लगा वनों का अंधाधुंध विनाश। जिसका परिणाम यह निकला कि जंगलों का दायरा सिमटने लगा, वन्यजीव बाहर भागे और उसके बाद शुरू हुआ न खत्म होने वाला मानव और वन्यपशुओं के बीच का संघर्ष। बाघ अथवा वन्यजीव जंगल से क्यों निकलते हैं इसके लिए प्राकृतिक एवं मानवजनित कई कारण हैं। इनमें छोटे-मोटे स्वार्थों के कारण न केवल जंगल काटे गए, बल्कि जंगली जानवरों का भरपूर शिकार किया गया। आज भी नेशनल पार्क का आरक्षित वनक्षेत्र हो या संरक्षित जंगल हो उनमें लगातार अवैध शिकार जारी है। हाल ही में केरल में तो हद हो गई, जब यहां के पलक्कड़ जिले में गर्भवती हथिनी की मौत पटाखों भरा अनानास खिलाने से बुधवार को उसकी मौत हो गई। इसको लेकर देशभर के लोगों में जबरदस्त गुस्सा है।

यूएन रिपोर्ट ने चेताया खुद को बचाना है तो प्रकृति को बचाओ

संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर हम प्रकृति को बचाने में विफल रहते हैं तो इंसानों का अस्तित्व भी खतरे में आ जाएगा। पिछले साल आई इस रिपोर्ट में जीवों की 10 लाख किस्मों पर लुप्त होने का खतरा बताया गया है। संयुक्त राष्ट्र और 130 देशों के समर्थन से तैयार एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में साफ चेतावनी है कि अगर जैव विविधता को खो दिया तो इंसान के अस्तित्व के लिए इसका असर जलवायु परिवर्तन के खतरे जैसा ही होगा। यूएन बायोडाइवर्सिटी के प्रमुख रॉबर्ट वाटसन ने वैश्विक जैवविविधता और ईकोसिस्टम पर की गई इस बड़ी स्टडी पर बात करते हुए बताया कि यूं ही जैवविविधता को गंवाते गए तो गरीबी घटाने, पर्याप्त भोजन, पानी की व्यवस्था करने, इंसान की सेहत सुधारने की हमारी क्षमता कम हो जाएगी। नतीजतन कोई भी नहीं बचेगा। सन 2005 के बाद अपनी तरह की पहली रिपोर्ट में इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन बायोडाइवर्सिटी एंड ईकोसिस्टम सर्विसेज ने इंसान के सामने आ सकने वाले खतरनाक नतीजों की बात की है। दुनिया भर के 400 से भी अधिक विशेषज्ञों ने इस पर काम किया है। वे सब मानते हैं कि अगर जीवों की किस्मों और ईकोसिस्टम में हो रही गिरावट को नहीं रोका गया तो हर उस चीज का अकाल झेलना पड़ेगा, जो इंसान के अस्तित्व के लिए जरूरी हैं। पिछले 50 सालों में धरती और सागर के इस्तेमाल के तरीकों में इतने बदलाव आए हैं, जिनसे जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्रजातियों के नष्ट होने की दर बढ़ी है। रिसर्चरों ने इसमें सामूहिक रूप से खपत बढ़ाने और सरकारों का संसाधनों पर ध्यान न देने जैसे इंसान के बदलते व्यवहार का बड़ा हाथ पाया है। रिपोर्ट में लिखा है कि आने वाले दशकों की बड़ी चुनौती ये होगी कि मानव जीवन में प्रकृति के अमूल्य योगदान का संरक्षण हो सके।

समुद्री जीवों पर भी पड़ा है बुरा असर

जैवविविधता का आशय उन सब जीवों से है जो हमारी धरती पर पाए जाते हैं। इसमें बैक्टीरिया से लेकर, पौधे, जानवर, वर्षावन, कोरल रीफ सब कुछ आता है। जितना इन्हें गिनना मुश्किल है उतना ही इनके योगदान को मापना भी। फिलहाल 15 लाख प्रजातियों की पहचान हो चुकी है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि कुल प्रजातियों की संख्या एक करोड़ से दो अरब के बीच कुछ भी हो सकती है। कई जीव तो इतने छोटे होते हैं जिन्हें डीएनए के क्रम के आधार पर पहचाना जा सकता है। वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड की प्रमुख वैज्ञानिक रेबेका शॉ बताती हैं कि बायोडाइवर्सिटी की बात हो तो शायद आप बाघ या ध्रुवीय भालू को बचाने के बारे में सोचें। हालांकि वे अहम हैं, किंतु ऐसी कई प्रजातियां हैं, जो न तो दिखती हैं और न ही कभी उनकी बात होती है।

मधुमक्खियों के बिना नहीं होगा परागण

जैसे मधुमक्खियों के बिना परागण नहीं होगा, फसलें और पेड़ नहीं फलेंगे और पेड़ नहीं होंगे तो कार्बन डायोक्साइड को ऑक्सीजन में कौन बदलेगा। फिर इंसान और दूसरे जीव सांस तक नहीं ले पाएंगे। ऐसी कई प्रक्रियाएं हैं, जिनमें से किसी एक जीव के गायब हो जाने से अप्रत्याशित परिणाम झेलने पड़ सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि अगर फौरन कुछ नहीं किया गया तो आने वाले कुछ ही दशकों में करीब एक चौथाई पौधों और जानवरों की किस्में लुप्त हो सकती हैं।

जब पर्दे पर जानवरों ने अपनी अदाकारी से जीता दिल

केरल में एक गर्भवती हथिनी की मौत ने सभी को झकझोर दिया है। लोगों के गुस्से को देखते हुए केरल के मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि इस मामले में न्याय जरूर होगा। दरअसल कुछ लोगों ने एक गर्भवती हथिनी को पटाखों से भरा अनानास खिला दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई। दर्द की वजह से हथिनी तीन दिन तक नदी के पानी में खड़ी रही। बॉलीवुड से लेकर टीवी सितारों ने इस पर रोष जताया है। फिल्मों की बात करें तो हमेशा जानवरों को अहम जगह दी गई। कई फिल्मों में तो कहानी जानवरों के इर्द-गिर्द ही घूमती रही। इस लिस्ट में चलिए ऐसी फिल्मों के बारे में बताते हैं।

इस फिल्म में तो हाथी की मौत पर रो पड़े थे दर्शक

तेरी मेहरबानियां

फिल्म में जैकी श्रॉफ मुख्य किरदार में थे। उनका नाम राम होता है, जो मोती नाम के कुत्ते को बचाता है और उसे पालता है। दोनों के बीच खूब दोस्ती हो जाती है। एक दिन कुछ लोग राम की हत्या कर देते हैं। मोती ये सब देख लेता है और वो अपने मालिक की हत्या का बदला लेते हुए उन सभी को मार देता है। फिल्म का निर्देशन विजय रेड्डी ने किया था।

हाथी मेरे साथी

फिल्म में अभिनेता राजेश खन्ना और तनुजा मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में हाथी और इंसान के बीच की दोस्ती को दिखाया गया है। रामू नाम के इस हाथी के किरदार को पर्दे पर दर्शकों ने जबरदस्त पसंद किया। फिल्म में हाथी अपने मालिक को बचाने के लिए अपनी जान तक दे देता है। इस दौरान राजेश खन्ना पर फिल्माया गया गाना नफरत की दुनिया को छोड़ के काफी मशहूर हुआ था। पर्दे पर ये गाना देखकर किसी के लिए भी आंसू रोकना मुश्किल है। हाथी मेरे साथी का निर्देशन एमए थिरूमुगम ने किया था।

केरल की घटना पर जताया आक्रोश

उद्योगपति रतन टाटा

रतन टाटा ने ट्विटर पर लिखा, 'मैं यह जानकर दुखी हूं कि कुछ लोगों ने एक बेकसूर गर्भवती हथिनी को पटाखे भरा अनानास खिलाकर मार दिया। भोले भाले जानवरों के प्रति इस तरह का आपराधिक रवैया ठीक वैसा ही है जैसे किसी इंसान की इरादतन हत्या। न्याय होना चाहिए।' टाटा ने यह पोस्ट ट्विटर के अलावा इंस्टाग्राम पर भी शेयर की है, जिसे लाखों ने लाइक किया है।

मेनका गांधी

भाजपा नेत्री मेनका गांधी ने कहा कि केरल का पलक्कड़ में हर दिन एक-न-एक कांड होता है। ये जानवरों को मारते ही मारते हैं। सिर्फ हाथियों को ही नहीं मारते, वो जहर फेंक देते हैं और हजारों जानवर एक साथ मर जाते हैं। चिड़ियों को मारते हैं, कुत्तों को मारते हैं। वहां रोज के रोज मारा-पीटी होती है।

प्रकाश जावडेकर

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने केरल में हथिनी को पटाखे भरा अनानास खिलाकर मारने की घटना पर गंभीर रुख अपनाते हुए कहा कि केंद्र ने इस पर पूरी रिपोर्ट मांगी है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्मृति शेष

जब भी गुदगुदाने का जी करे, बासु चटर्जी की ये 10 फिल्में देखें

जन्म
10 जनवरी 1930
मृत्यु
04 जून 2020

सिनेमा जगत के जाने-माने फिल्मकार बासु चटर्जी का गुरुवार को निधन हो गया। 93 वर्षीय बासु चटर्जी ने सांताक्रूज स्थित अपने घर पर नींद में ही अंतिम सांस ली। उनके निधन की कोई खास वजह नहीं बताई गई है और कहा जा रहा है कि उम्र संबंधी बीमारियों के कारण उनका निधन हो गया। उन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। उनकी फिल्में आज भी उतनी ताजातरीन लगती हैं जितनी की रिलीज होने के समय थीं। आइए एक नजर डालते हैं बासु चटर्जी के 10 फिल्मों पर-

1.रजनीगंधा

साल 1974 में आई फिल्म रजनीगंधा बासु चटर्जी की हिट फिल्मों में शामिल है। फिल्म में लीड रोल में एक्टर अमोल पालेकर और एक्ट्रेस विद्या सिन्हा नजर आए थे।

2. छोटी सी बात

फिल्म छोटी सी बात साल 1975 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में एक्टर आमोल पालेकर और एक्ट्रेस विद्या सिन्हा लीड रोल में थे।

3. चितचोर

बासु चटर्जी की फिल्म चितचोर में एक्टर अमोल पालेकर और एक्ट्रेस जरीना बहाव नजर आई थी। यह फिल्म साल 1976 में रिलीज हुई थी।

4. खट्टा-मीठा

फिल्म खट्टा-मीठा साल 1978 में रिलीज हुई थी। फिल्म में लीड रोल में एक्ट्रेस राकेश रोशन और एक्ट्रेस बिंदिया गोस्वामी नजर आए थे।

5. दिल्लगी

बासु चटर्जी की फिल्म दिल्लगी साल 1978 में आई थी। इस फिल्म में एक्टर धर्मेंद्र और एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने काम किया था।

6. बातों-बातों में

साल 1979 में रिलीज हुई फिल्म %बातों-बातों में% ऐक्टर अमोल पालेकर ने काम काम किया। उनके साथ इस फिल्म में ऐक्ट्रेस टीना मुनीम नजर आई थीं।

7. मनपसंद

साल 1980 में फिल्म मनपसंद आई थी। इस फिल्म में

देवानंद, सिंपल कपाड़िया और टीना मुनीम मुख्य भूमिका में थे।

8. शौकीन

बासु चटर्जी की फिल्म शौकीन साल 1981 में रिलीज हुई थी। फिल्म में उत्पल दत्त, अशोक कुमार और एके हंगल लीड रोल में थे।

9. चमेली की शादी

साल 1986 में आई फिल्म चमेली की शादी उनकी बेहतरीन फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में एक्टर अनिल कपूर और एक्ट्रेस अमृता सिंह मुख्य भूमिका में थे।

10. गुदगुदी

साल 1997 में फिल्म गुदगुदी रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अनुपम खेर और जुगल हंसराज ने लीड रोल किया था।

बासु चटर्जी के निधन पर पर उमड़ा आंसुओं का सैलाब, अमिताभ बच्चन- शबाना आजमी सहित इन सितारों ने दी श्रद्धांजलि

फिल्ममेकर और स्क्रीनप्ले राइटर बासु चटर्जी का 93 साल की उम्र में गुरुवार को निधन हो गया। बासु चटर्जी को बॉलीवुड में बासु दा के नाम से पुकारा जाता था। अजमेर में जन्मे बासु दा के निधन से बॉलीवुड की तमाम हस्तियां भी शोक में डूबी हुई हैं। सोशल मीडिया पर तमाम सितारे जिन्होंने बासु दा के साथ काम किया उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। अमिताभ बच्चन, अमोल पालेकर, शबाना आजमी, शूजित सिरकार सभी ने बासु दा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

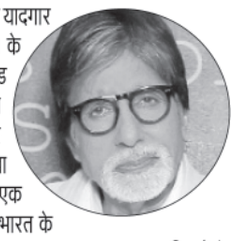

अमिताभ बच्चन: बासु चटर्जी ने फिल्म इंडस्ट्री को कई यादगार फिल्में दी हैं। बॉलीवुड के गलियारों में भी बासु दा के निधन से शोक की लहर दौड़ गई। तमाम बॉलीवुड सितारे अब शोक व्यक्त कर रहे हैं। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने बासु चटर्जी के निधन पर ट्वीट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। अमिताभ ने अपने ट्वीट में लिखा कि बासु चटर्जी के निधन पर प्रार्थना और संवेदना.. एक शांत, मृदुभाषी, सौम्य मानव.. उनकी फिल्मों ने मध्य भारत के जीवन को दर्शाया.. उनके साथ मंजिल में काम किया.. एक दुखद नुकसान.. इन पंक्तियों के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा रिम झिम गिरे सावन।

शबाना आजमी: अभिनेत्री शबाना आजमी ने भी बासु दा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। शबाना ने अपने ट्वीट में लिखा है, बासु चटर्जी के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुःख हुआ। विपुल फिल्म निर्माता, वे सड़क सिनेमा के बीच में आने के लिए अग्रणी थे। मुझे उनके साथ स्वामी, आपने पराये, और जीना यहां जैसी 3 प्यारी फिल्में करने का सौभाग्य मिला। भगवान आपकी आत्मा को शांति दें।

शूजित सिरकार : बॉलीवुड के जाने माने फिल्म डायरेक्टर शूजित सिरकार ने भी बासु दा के निधन पर उन्हें याद किया। शूजित ने अपने ट्वीट में लिखा, सहायक निर्देशक के रूप में मेरी पहली नौकरी बासु चटर्जी के साथ सीआर पार्क, नई दिल्ली में एक बंगाली टीवी धारावाहिक की शूटिंग के लिए थी.. उनकी आत्मा को शांति मिले।

मधुर भंडारकर: निर्माता निर्देशक मधुर भंडारकर ने बासु दा की एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर के साथ मधुर ने लिखा कि वेटरन फिल्म निर्माता बासु चटर्जी के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। उन्हें हमेशा उनकी लाइट हार्टेड कॉमेडी और सिंपलिसिस्ट फिल्मों के लिए याद किया जाएगा। ओमशांति।

दिव्या दत्ता: बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने भी बासु चटर्जी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। दिव्या दत्ता ने अपने ट्वीट में लिखा कि हे भगवान!! बासु चटर्जी उन मुस्कुराहटों के लिए थैंक्यू और आश्चर्यजनक रूप से हम उन अच्छी फिल्मों को महसूस कर सकते हैं .. और सादगी..धन्यवाद फिल्मों में #khattameetha स्वाद जोड़ने के लिए! आपको याद किया जाएगा दादा!

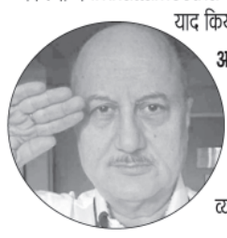

अनुपम खेर: बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने भी बासु चटर्जी के निधन पर दुख व्यक्त किया है। अनुपम खेर ने एक वीडियो के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। वीडियो को साझा करते हुए अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा कि बासु दा आपकी बहुत याद आएगी। आपकी व्यक्तित्व और फिल्मों में सादगी। ओम शांति।

ठुकरा दिया था बासु दा का पहला फिल्मी ऑफर : अमोल पालेकर

निर्देशक बासु चटर्जी और अभिनेता अमोल पालेकर की जोड़ी हिंदी सिनेमा की बेहद सफल जोड़ियों में से एक रही है। दोनों ने साथ में अपने पराए, रजनीगंधा, चितचोर, छोटी सी बात जैसी कई यादगार फिल्में की हैं। बासु दा से जुड़ी यादें साझा करते हुए अमोल पालेकर कहते हैं कि मेरा तो बासु दा के साथ बहुत लंबा सफर रहा है। हमने 8 फिल्में साथ में की है। मैं बासु दा का फेवरिट कहा जाता था, इसलिए बहुत सारी यादें हैं। बासु दा अपनी फिल्मों की ही तरह थे, सीधे, सरल और एक अलग सेंस ऑफ ह्यूमर। वे मितभाषी थे, बहुत कम बातें करते थे, लेकिन हमेशा पते की बात करते थे।

खुद लिखते फिल्मों की पटकथा और संवाद

अमोल पालेकर ने आगे कहा कि बासु दा का एक बहुत बड़ा पहलू यह था कि वह इकलौते ऐसे बंगाली निर्देशक थे, जिनका हिंदी भाषा पर बहुत प्रभुत्व था। उनकी हिंदी भाषा की जानकारी बहुत बढ़िया थी, शायद ऐसा इसलिए, क्योंकि वे इलाहाबाद में बड़े हुए थे। अपनी फिल्मों की पटकथा और संवाद भी वह खुद लिखते थे और छोटी-छोटी बारीकियां अपने किरदारों में बड़ी खूबसूरती से लाते थे। उनका कोई किरदार लार्जर दैन लाइफ नहीं होता था। वह आम आदमी होता थे और उनकी छोटी-छोटी परेशानियां, जिसे वह एक खास किस्म के ह्यूमर में कहते थे। उन्होंने मुझे हर फिल्म में अलग-अलग किरदार दिए। इसके अलावा, बासु दा ने मेरी झोली में एक और बहुत बड़ी नेमत डाली, वह है बहुत ही प्यारे-प्यारे गाने, जिसके लिए मैं उनका हमेशा बहुत अहसानमंद रहूंगा।

पहले फिल्मी ऑफर का रोचक किस्सा

अमोल पालेकर बासु दा के पहले फिल्मी ऑफर का एक रोचक किस्सा भी सुनाते हैं। बकौल अमोल पालेकर, मजे की बात यह है कि बासु दा ने पहली बार मुझे फिल्म पिया का घर का ऑफर दिया था, जिसे मैंने ठुकरा दिया था। उसकी वजह यह थी कि उन्होंने मुझसे कहा कि जाकर प्रोड्यूसर से मिल लो और बाकी बातें कर लो, तो मैंने कहा कि आप मुझे अपनी फिल्म में लेना चाहते हैं, तो आप प्रोड्यूसर से मुझे सम्मान के साथ मिलवाइए। इसलिए, बात खत्म हो गई।

अब भी मानने को तैयार नहीं

अमोल पालेकर ने आगे बताया कि इसके बावजूद, वह रजनीगंधा का ऑफर लेकर मेरे पास आए। मैंने उनसे पूछा भी कि मेरे मना करने पर आपको गुस्सा नहीं आया था, तो उन्होंने कहा कि बिल्कुल आया था कि इस बंदे ने कुछ किया नहीं है, फिर भी इतनी अकड़ है, लेकिन मैंने जब गहराई से सोचा तो तुम्हारी बात सही लगी। इसलिए, जब वे फिल्म रजनीगंधा का ऑफर लेकर आए, तो प्रोड्यूसर सुरेश जिंदल को साथ लेकर आए थे। मैं उनके संपर्क में हमेशा रहा। मुझे पता था कि उनका स्वास्थ्य मुरझा रहा है, इसलिए उनके जाने की खबर से सदमा नहीं लगा, पर मन अब भी मानने को तैयार नहीं है कि वे नहीं रहे।

पंजाब सरकार ने सूचीबद्ध अस्पतालों /क्लीनिकों और लैबोरेटरियों द्वारा भेजे कोविड -19 के नमूनों की मुफ़्त टेस्टिंग करवाने का लिया फैसला- बलबीर सिंह

इस सुविधा का लाभ ले रहे प्राईवेट अस्पताल और क्लीनिक मरीजों से 1000 रुपए से अधिक चार्ज नहीं करेंगे

चंडीगढ़/ब्यूरो

महामारी के फैलाव को रोकने के लिए कोविड -19 के मरीज़ों का समय पर पता लगाने के लिए लोगों की बड़े स्तर पर स्क्रीनिंग किये जाने को ध्यान में रखते हुये कैप्टन अमरिन्दर सिंह के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने सूचीबद्ध अस्पतालों / क्लीनिकों और लैबोरेटरियों के द्वारा भेजे कोविड -19 के नमूनों की मुफ़्त आर.टी. -पी.सी.आर. टेस्टिंग करवाने का फ़ैसला लिया है। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्री स. बलबीर सिंह सिद्धू ने एक प्रैस बयान में दी।

मंत्री ने कहा कि सिवल सर्जनों को उन निजी अस्पतालों / क्लीनिकों और लैबों को सूचीबद्ध करने के लिए हिदायतें जारी की गई हैं जो नमूनों की मुफ़्त टेस्टिंग सुविधा देने के लिए स्वै-इच्छा से सूचीबद्ध होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि यह लाज़िमी किया गया है कि प्राईवेट अस्पताल / क्लीनिकों और लैबोरेटरियों के पास कोविड -19 के शक्की मरीज़ों के लिए अलग जगह होनी चाहिए जहाँ नमूना लिए जाएंगे और नमूना लेने वाले व्यक्ति की तरफ से पूरे निजी सुरक्षा उपकरण पहने होने को यकीनी बनाया जायेगा। प्राईवेट अस्पताल ज़रुरी लोजिस्टिकस का प्रबंध करेगा और नमूने एकत्रित करेगा, उनको पैक करेगा और प्रोटोकोल के अनुसार नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य संस्था को भेजेगा। वह आरटी -पीसीआर एप में आईसीएमआर प्रोटोकोल के अनुसार विवरणों को भरना यकीनी बनाते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि इसलिए यूजर नियम और पासवर्ड सम्बन्धी सिवल सर्जनों के द्वारा कुलैकशन सैंटरों के लिए निजी अस्पतालों / क्लीनिकों को मुहैया करवाए जाएंगे। प्राईवेट अस्पताल / क्लीनिक सैंपल समेत सैंपल आई.डी. के साथ आरटी -पीसीआर एप के द्वारा तैयार लाईन सूची भेजेंगे। प्राईवेट अस्पतालों / क्लीनिकों के द्वारा भेजे गए नमूनों की सरकारी लैबोरेटरियों में मुफ़्त जांच की जाऐगी। स. सिद्धू ने बताया कि इस सुविधा का लाभ ले रहे प्राईवेट अस्पताल और क्लीनिक नमूने एकत्रित करने के लिए मरीज़ों से 1000 रुपए से अधिक नहीं चार्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि प्राईवेट अस्पताल / क्लीनिक आई. सी. एम.आर. के मापदण्डों के अनुसार मरीज़ों का चयन करेंगे जिसके अंतर्गत लक्षण पाये जाने वाले अंतरराष्ट्रीय या घरेलू यात्री, लैब द्वारा पुष्ट किये गए कोविड -19 मरीज़ के संपर्क, कंटेनमैंटज़ोनों / हॉटसपॉट से आने वाले व्यक्ति जिनमें लक्षण पाये गए हैं, कोविड -19 मरीज़ के उच्च जोखिम वाले संपर्क जिनमें लक्षण नहीं पाये गए, लक्षण न पाये जाने वाले /लक्षण पाये जाने वाले फ्रंट लाईन पर काम कर रहे कर्मचारी और लक्षण पाये जाने वाले प्रवासी व्यक्ति या वापिस लौटने वाले व्यक्ति। कुलैकशन सैंटरों के तौर पर सूचीबद्ध सभी प्राईवेट अस्पताल / क्लीनिकों और लैबोरेटरियों को आई.सी.एम.आर. प्रोटोकोल के अनुसार आर.टी. -पी.सी.आर टेस्टिंग लैब के साथ जोड़ जायेगा।

पंजाब सरकार द्वारा मैरीटोरियस स्कूलों में दाखिले हेतु रजिस्ट्रेशन करवाने की तारीख में वृद्धि

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की तरफ से आवेदन करने की योग्यता के मापदण्डों में भी बदलाव

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब सरकार ने मैरीटोरियस स्कूलों में सत्र 2020 -21 के लिए 11वीं कक्षा में दाख़िला परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करवाने के समय में फिर से वृद्धि कर दी गई है। यह फ़ैसला कोविड -19 से सुरक्षा सम्बन्धित भारत सरकार और पंजाब सरकार द्वारा समय -समय पर दी हिदायतों की पालना हेतु किया गया है।

इस सम्बन्धी पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि अमृतसर, बठिंडा, फ़िरोज़पुर, गुरदासपुर, जालंधर, लुधियाना, मोहाली, पटियाला, संगरूर और तलवाड़ा (होशियारपुर) में स्थित मैरीटोरियस स्कूलों में 11वीं कक्षा के लिए दाख़िला परीक्षा हेतु रजिस्ट्रेशन 5 जून, 2020 प्रात:काल 9.00 बजे से 15 जून, 2020 शाम 5.00 बजे तक ली जा सकती है।

ज़िक्रयोग्य है कि तलवाड़ा में मैरीटोरियस स्कूल में 9वीं कक्षा में भी दाख़िले लिये जाते हैं। जिस सम्बन्धी भी विद्यार्थी 5 जून को प्रात: काल 9.00 बजे से 15 जून, 2020 के शाम 5.00 बजे तक अपनी दाख़िला परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

प्रवक्ता के अनुसार 11वीं कक्षा में दाख़िला परीक्षा हेतु रजिस्ट्रेशन के लिए योग्यता में भी पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने कुछ बदलाव किये हैं। पहले मापदण्डों अनुसार जनरल कैटागिरी में 10वीं कक्षा में से 70 प्रतिशत और रिज़र्व कैटागिरी के लिए 65 प्रतिशत अंकों की ज़रूरत थी। अब पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड से 10वीं कक्षा में ग्रेड बी और इससे अधिक ग्रेड प्राप्त करने वाले और रिज़र्व कैटागिरी में ग्रेड बी और इससे अधिक ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आवेदन करने के योग्य होंगे।

इसी प्रकार नये मापदण्डों के अनुसार सी.बी.एस.ई. बोर्ड के विद्यार्थियों के लिए जनरल कैटागिरी में ग्रेड बी 1 और इससे अधिक ग्रेड प्राप्त करने वाले और रिज़र्व कैटागिरी के लिए ग्रेड बी 2 और इससे अधिक ग्रेड के साथ 10वीं कक्षा के पास विद्यार्थी दाख़िले के लिए आवेदन करने के योग्य होंगे।

इसी प्रकार 9वीं कक्षा में दाख़िला परीक्षा की रजिस्ट्रेशन के लिए 8वीं कक्षा में प्राप्त अंकों (ग्रेड) की शर्त पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी उपरोक्त नये मापदण्डों वाली ही होगी।

विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है जिन विद्यार्थियों ने दाख़िले के लिए पहले ही आवेदन कर दिया है और अब वह दाख़िले सम्बन्धी सभी मौजूदा शर्तें पूरी करते हैं, को दोबारा आवेदन करने की ज़रूरत नहीं है।

सुखजिन्दर सिंह रंधावा द्वारा सहकारी सोसायटियों का स्तर ऊंचा उठाने और दशा सुधारने के लिए दिशा निर्देश जारी

सहकारिता मंत्री ने जमीनी हकीकत जानने के लिए विधायकों और अधिकारियों के साथ की मीटिंग

चंडीगढ़/ब्यूरो

सहकारिता मंत्री स. सुखजिन्दर सिंह रंधावा ने रा%य की सहकारी सोसायटियों के ढांचे को मजबूत करने और इनकी खामियों को दूर करने के लिए आज कुछ विधायकों और विभाग के सीनियर अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय मीटिंग की। मीटिंग के दौरान जमीनी हकीकत जानने के बाद स. रंधावा ने इन सोसायटियों का स्तर ऊंचा उठाने और दशा सुधारने के लिए दिशा निर्देश जारी किये।

यहाँ मार्कफैड के मुख्यालय में हुई मीटिंग में स. रंधावा ने कहा कि जहाँ भी सोसायटियों को जरुरी स्टाफ की जरूरत है, उसकी कमी को पूरा करने के लिए भर्ती के अधिकार ज्वाइंट रजिस्ट्रार्ज को दिए जाएँ। उन्होंने सोसायटियों के काम का मुल्यांकन करते हुए घाटे में चल रही सोसायटियों को मुनाफ़े में लाने के लिए कारगर व्यापक नीति बनाने के लिए भी कहा। उन्होंने सोसायटियों के कामकाज में सुधार और पारदर्शिता लाने के लिए भी सुझाव माँगे।

स. रंधावा ने कहा कि सहकारिता विभाग किसानी की रीढ़ की हड्डी है। किसानी को लाभप्रद बनाने के लिए मजबूत सहकारी लहर की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विभाग की प्राथमिकता सहकारी सोसायटियों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि वह खुद निरंतर सोसायटियों के कामकाज की समीक्षा किया करेंगे।

मीटिंग में विधायक स. दर्शन सिंह बराड़, स. कुशलदीप सिंह किक्की ढिल्लों, अमरिन्दर सिंह राजा वड़िंग, स. परमिन्दर सिंह पिंकी, स. कुलबीर सिंह जीरा, स. प्रीतम सिंह कोटभाई, स. सुरजीत सिंह धीमान, श्री नत्थू राम, स. दविन्दर सिंह घुबाया, स. बरिन्दरमीत सिंह पाहड़ा, सहकारी सभाओं के रजिस्ट्रार श्री विकास गर्ग, पंजाब राज्य सहकारी बैंक और मार्कफैड के एम.डी. श्री वरुण रूजम, मिल्कफैड के एम.डी. श्री कमलदीप सिंह संघा सहित और भी उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज

जीवित विधायक को पूर्व विधायक ने दे दी श्रद्धांजलि

चित्तौड़गढ़, (एजेंसी)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में एक पूर्व विधायक ने गफलत में सरदारशहर के मौजूदा विधायक को जीते जी श्रद्धांजलि दे दी और पता चलने के बाद माफी मांगकर मामले को खत्म किया। गत दिनों भाजपा के वरिष्ठ नेता भंवरलाल शर्मा के निधन के बाद गंगरार के पुठोली ग्राम में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा, जिसमें क्षेत्र के पूर्व विधायक सुरेश धाकड़ भी पहुंचे। जल्दबाजी में न तो कार्यकर्ताओं ने और न धाकड़ ने ध्यान दिया कि जिस तस्वीर पर वह श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं वह दिवंगत शर्मा की नहीं बल्कि जीवित एवं चुरू के सरदारशहर विधायक पं. भंवरलाल शर्मा की है। घटना के वीडियो वायरल होने के बाद धाकड़ एवं भाजपा कार्यकर्ताओं की किरकिरी हुई तो धाकड़ ने खेद जताया और कहा कि उन्हें इस बात का पता नहीं था व मैने खुद फोन कर सरदारशहर विधायक शर्मा से इस गलती के लिए माफी मांगते हुए उनके दीर्घायु होने की कामना की है।

चंद्र ग्रहण आज, गर्भवती महिलाएं ध्यान रखें उपाय

नई दिल्ली, (एजेंसी) शुक्रवार को साल का दूसरा चंद्रग्रहण लगने वाला है। इस चंद्रग्रहण को पूरे एशिया सहित भारत और अफ्रीका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में भी देखा जा सकेगा। भारत में ये चंद्रग्रहण रात 11 बजकर 16 मिनट से लेकर 2 बजकर 32 मिनट तक जारी रहेगा। चंद्रग्रहण रात 12 बजकर 54 मिनट (सूतक काल) पर अपने पूरे प्रभाव में रहेगा. जानकारी के लिए बता दूं कि इस बार का चंद्रग्रहण एक उपच्छाया या पेनुमब्रल चंद्रग्रहण होगा। इस संबंध में पंडितों का कहना है कि ग्रहण में सूतक का पालन तो करना ही चाहिए। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को भी विशेष सावधानी वर्तनी चाहिए। खासकर ग्रहण के दौरान अपने पास किसी भी प्रकार का धारदार हथियार, चाकू, असलाह आदि न रखें। ग्रहण में ज्यादा से ज्यादा समय मंत्र जाप करें।

लॉकडाउन की अवधि का वेतन पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने लॉकडाउन की अवधि का पूरा वेतन कर्मचारियों को दिए जाने के केंद्र के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया और कहा कि 12 जून को आदेश सुनाए जाने तक संबंधित नियोक्ताओं के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एमआर शाह की खंडपीठ ने सभी संबंधित पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया।

कोरोना वायरस से प्रभावित देशों के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर है अमेरिका

विश्व में कोरोना से 66.39 लाख संक्रमित, 3.89 लाख की मौत

बीजिंग/जिनेवा ■ एजेंसी

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड 19) से दुनिया भर में अब तक 64.98 लाख लोग संक्रमित हुए हैं तथा 3.86 लाख से अधिक की मौत हो चुकी है।

अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र (सीएसएसई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस से दुनिया भर में अब तक 66,39,102 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 3,89,866 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। इस वायरस से संक्रमित 32,05,413 मरीज ठीक हो चुके हैं। कोरोना वायरस से प्रभावित होने के मामले में अमेरिका विश्व भर में पहले और ब्राजील दूसरे तथा रूस तीसरे स्थान पर है। दूसरी तरफ इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के हिसाब से अमेरिका पहले, ब्रिटेन दूसरे और इटली तीसरे क्रम पर है।

अमेरिका में 1,09,533 लोगों की हुई मौत

विश्व की महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना महामारी से अब तक 19,10,773 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,09,533 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 590,485 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं और 32,688 लोगों की मौत हो चुकी है।

रूस में 4,41,108 लोग प्रभावित : रूस में भी कोविड-19 का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 4,41,108 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 5,384 लोगों ने जान गंवाई है।

तुर्की में 4,609 लोगों की मौत : तुर्की में कोरोना से अब तक 1,66,422 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 4,609 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना वायरस से गंभीर रूप से प्रभावित खाड़ी देश ईरान में 1,60,696 लोग संक्रमित हुए हैं जबकि 8,012 लोगों की इसके कारण मौत हुई है।

पड़ोसी देश पाकिस्तान में 80,463 लोग संक्रमित: मेक्सिको में 11729, बेल्जियम में 9548, कनाडा में 7498, नीदरलैंड में 5990, पेरू में 4897, स्वीडन में 4542, इक्वाडोर में 3486, स्विट्जरलैंड में 1920, आयरलैंड में 1659 और पुर्तगाल में 1447 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा पड़ोसी देश पाकिस्तान में कोरोना से अब तक 80,463 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 1688 लोगों की मौत हो चुकी है।

न्यूजीलैंड, फिनलैंड में महामारी खत्म होने की ओर

वेलिंगटन, (एजेंसियां)। अमेरिका जैसे दुनिया के कई देशों में जहां कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा, वहीं न्यूजीलैंड और फिनलैंड में यह महामारी खत्म होती प्रतीत हो रही है।

न्यूजीलैंड में सतत 13वें दिन कोई नया केसब सामने नहीं आया है। वहीं फिनलैंड में मध्य मई में स्कूलों को खोले जाने के बावजूद संक्रमण में गिरावट देखी जा रही है। यहां रेस्तरां, लाइब्रेरी, थिएटर और स्पोर्ट कांप्लेक्स भी खोल दिए गए हैं। यूरोप में स्पेन, ब्रिटेन, इटली, जर्मनी और फ्रांस महामारी से सबसे अधिक प्रभावित हैं। हालांकि अब इन यूरोपीय देशों में भी नए केसों में कमी देखी जा रही है।

न्यूजीलैंड में कोरोना का केवल एक केस: 50 लाख की आबादी वाले न्यूजीलैंड में संक्रमण का सिर्फ एक ज्ञात मामला है। हालांकि अफसरों ने यह आशंका जताई है कि सीमाओं को खोले जाने से दूसरी जगहों से संक्रमित आ सकते हैं। यहां संक्रमण की रोकथाम के लिए लगाई गई ज्यादातर पाबंदियों को पहले ही हटा दी गई है।

चीन में 83,022 संक्रमित

कोरोना के उद्गमस्थल चीन में अब तक 83,022 लोग संक्रमित हुए हैं और 4634 लोगों की मृत्यु हुई है। यूरोपीय देश फ्रांस और जर्मनी में भी इसके कारण स्थिति काफी खराब है। फ्रांस में अब तक 1,88,450 लोग इससे संक्रमित हुए हैं और 29,021 लोगों की मौत हो चुकी है। जर्मनी में कोरोना से 1,82,370 लोग संक्रमित हुए हैं और 8,551 लोगों की मौत हुई है।

धार्मिक स्थलों, होटल, रेस्तरां कार्यस्थलों पर नई गाइडलाइन

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया, कैसे रोक सकते हैं कोरोना

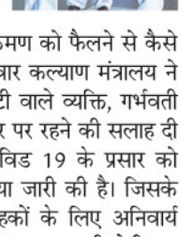

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अनलॉक-1 को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। यह गाइडलाइन खास तौर पर धार्मिक स्थानों/पूजा स्थलों और कार्यस्थल को लेकर जारी की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी गाइडलाइन में बताया है कि इन स्थानों पर काम के साथ-साथ कोरोना संक्रमण को फैलने से कैसे रोका जा सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति, कॉमरेडिटी वाले व्यक्ति, गर्भवती महिलाएं, 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को घर पर रहने की सलाह दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रेस्तरां में कोविड 19 के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है। जिसके अनुसार रेस्तरां में सभी कर्मचारियों और ग्राहकों के लिए अनिवार्य सैनिटाइजर डिस्पेंसर और थर्मल स्क्रीनिंग की व्यवस्था करनी होगी।

आठ जून से खुलेंगे होटल, रेस्तरां, मॉल और धार्मिक स्थल: गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 30 मई को लॉकडाउन और अनलॉक को लेकर गाइडलाइन जारी की थी। जिसमें बताया गया था कि देश के निषिद्ध क्षेत्रों में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन 30 जून तक बढ़ाया गया है। साथ ही घोषणा की गई थी कि आठ जून से आतिथ्य सत्कार (हॉस्पिटैलिटी) सेवाओं, होटलों और शॉपिंग मॉल को खोलने की अनुमति होगी। दिशा-निर्देश में कहा गया है कि सार्वजनिक धार्मिक स्थलों, होटलों, रेस्तरां, शॉपिंग मॉल और अन्य आतिथ्य सत्कार सेवाएं भी आठ जून से शुरू हो जाएंगी।

होटल, रेस्तरां के लिए गाइडलाइन: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार सभी होटल, रेस्तरां में कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए मानक संचालन प्रकिया का पालन हर हाल में करना होगा। इसके अनुसार। होटल या रेस्तरां में काम करने वाले सभी कर्मचारियों के लिए सैनिटाइजर डिस्पेंसर और थर्मल स्क्रीनिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। डिलिवरी ब्वाय को ग्राहक के घर तक खाना पहुंचाने में पूरी सावधानी बरतनी होगी। डिलिवरी ब्वाय को खाना किसी भी ग्राहक के हाथ में नहीं देना है, बल्कि ग्राहक के दरवाजे पर रख देना है। होटल, रेस्तरां में कर्मयों के बीच 6 फीट की दूरी को मेंटेन करना होगा। सभी कर्मचारियों के मोबाइल में आरोग्य सेतु एप का होना अनिवार्य है।

अमेरिका में हालात बेकाबू, विरोध-प्रदर्शन रोकने सेना तैनात

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका में पुलिस हिरासत में अश्वेत जार्ज फ्लॉयड की मौत को लेकर लोगों का गुस्सा शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार नौवें दिन विरोध-प्रदर्शन और हिंसा का दौर जारी रहा। न्यूयॉर्क शहर में दो पुलिस अधिकारियों को गोली और एक को चाकू मारने की खबर है।

राजधानी वाशिंगटन में ह्वाइट हाउस के समीप हजारों प्रदर्शनकारी जमा हुए और मोबाइल फोन की लाइट जलाने के साथ ही पुलिस विरोधी नारे भी लगाए। कई अन्य शहरों में भी विरोध प्रदर्शन देखने को मिले। हिंसा के चलते कई बड़े शहरों में कर्फ्यू लगा दिया गया था, लेकिन कर्फ्यू हटने के बाद कुछ जगहों पर फिर अशांति देखने को मिल रही है। राजधानी वाशिंगटन में विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए सेना तैनात कर दी गई है। न्यूयॉर्क पुलिस ने बताया कि बुधवार को शहर के ब्रुकलीन इलाके में एक व्यक्ति ने एक पुलिसकर्मी की गर्दन में चाकू मार दिया।

अपने साथी को बचाने गए दो पुलिसकर्मियों को हमलावर ने गोली मार दी। सभी घायलों को किंग्स काउंटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हमला शहर में जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बीच हुआ है। हालांकि इस हमले का प्रदर्शनों से संबंध होने की बात अभी साफ नहीं हो पाई है। लेकिन पुलिस आयुक्त डर्मोट शी ने कहा कि पुलिसकर्मी लूटपाट रोकने के लिए तैनात थे। इस बीच न्यूयॉर्क पुलिस ने कर्फ्यू के दौरान विरोध प्रदर्शन करने पर सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया।

हत्या के भी लगाए गए आरोप

अश्वेत जार्ज फ्लॉयड की गर्दन को दबाने वाले मिनीपोलिस के पुलिस अधिकारी डेरेक चाविन पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। डेरेक के खिलाफ बुधवार को द्वितीय श्रेणी की हत्या का मामला दर्ज करने के साथ तीन और पुलिस वालों को आरोपित किया गया है। इनकी गिरफ्तारी के लिए वारंट भी जारी किए गए हैं। मिनीपोलिस में गत 25 मई को पुलिस हिरासत में जार्ज फ्लॉयड की मौत हो गई थी। एक पुलिस अधिकारी द्वारा करीब नौ मिनट तक घुटने से जार्ज की गर्दन को दबाए जाने का वीडियो सामने आया था।

चीन अब अमेरिका की सीमित उड़ानों को अपने यहां आने की देगा मंजूरी

तनाव के बीच चीन सरकार का अमेरिकी उड़ानों को मंजूरी देने से इंकार

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध से शुरू हुआ तनाव कोरोना वायरस के चलते अपने चरम पर पहुंचता जा रहा है। अमेरिका ने बुधवार को घोषणा की कि चीन से 16 जून के बाद कोई भी विमान उसके यहां नहीं आएगा। उसने चीनी विमानों के आगमन पर प्रतिबंध लगा दिया। वहीं, अब चीन ने अमेरिका के इस कदम पर प्रतिस्त्रि5या देते हुए गुरुवार को कहा कि वह अमेरिकी एयरलाइंस को अपने देश में सीमित उड़ानों की अनुमति देगा। चीन में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के चलते अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन, अब चीन की सरकार ने फैसला लिया है कि अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए विदेशी एयरलाइंस को सीमित उड़ानों की अनुमति दी जाएगी। सरकार के इस फैसले के साथ ही अमेरिकी एयरलाइंस पर लगी पाबंदी भी हट जाएगी।

चीन उड़ानों के परिचालन को लेकर दोनों देशों के बीच हुए समझौते का उल्लंघन कर रहा है

वहीं, अमेरिका के परिवहन विभाग ने कहा है कि जनवरी 2020 में दोनों देशों के बीच उड़ानें कम हो गई थीं। हालांकि, इसके बाद भी अमेरिकन एयरलाइंस, डेल्टा एयरलाइंस, यूनाइटेड एयरलाइंस अमेरिका और चीन के बीच विमानों का परिचालन कर रही थीं। चीन की एयरलाइंस ने भी अपनी कुछ उड़ानों के परिचालन को बंद किया था। विभाग ने कहा कि यूनाइटेड एयरलाइंस और डेल्टा एयरलाइंस एक जून से चीन के लिए उड़ानें शुरू करना चाहती थीं। लेकिन, एयरलाइंस कंपनियों के अनुरोध के बावजूद चीन सरकार ने अपने यहां उड़ानों को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। परिवहन विभाग ने बताया कि चीन उड़ानों के परिचालन को लेकर दोनों देशों के बीच हुए समझौते का उल्लंघन कर रहा है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रिश्तों में कड़वाहट को कम करने के लिए चीन के अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। बता दें कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका और चीन के बीच तनाव का दौर जारी है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor: ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.